SHIMLAहिमाचल

राजकीय महाविद्यालय धामी में राष्ट्रीय स्वयं सेवा के सात दिवसीय विशेष वार्षिक शिविर का शुभारंभ

DEC 25, 2023

Spread the love

25 दिसंबर, 2023

राजकीय महाविद्यालय धामी, शिमला में राष्ट्रीय स्वयं सेवा के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ। डॉ. प्रवीण जरेट, एसोसिएट प्रोफेसर, संगीत शिविर के उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का आरंभ किया। इकाई अध्यक्षा सुश्री अंजलि ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सेवा मनुष्य जीवन का मूल्य है, जिसके माध्यम से हम समाज के जरूरतमंद लोगों का सहयोग कर मानवीयता को जिंदा रख सकते हैं। प्रथम दिवस के द्वितीय सत्र में डॉ. पी. एल. वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, अर्थशास्त्र, राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान, शिमला, ने स्त्रोत विद के रूप में 'सतत विकास के लक्ष्य विषय पर विस्तृत व्याख्यान दिया। उन्होंने वालंटियर्स के साथ सामाजिक व पर्यावरणीय विषयों पर सार्थक संवाद स्थापित किया। कार्यक्रम अधिकारी श्री दिनेश शर्मा ने कहा कि 'पर्यावरणः मनुष्य चेतना का आधार विषय पर यह शिविर आधारित रहेगा।

इसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, विकास व संसाधन आदि विभिन्न पहलुओं पर गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस दौरान महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए प्राथमिक विद्यालय घण्डल तथा गोद लिए गए गाँव में स्वच्छता, सेवा, व जागरूकता के कार्य किए जाएंगे। डॉ. गीता, कार्यक्रम अधिकारी, ने अतिथियों का धन्यवाद किया। सुश्री अश्मिता पाल व सुश्री विदुशा ने क्रमशः प्रथम व द्वितीय सत्र का बेहतरीन मंच संचालन किया।

धामी कॉलेज में एनएसएस शिविर शुरू

शिमला। राजकीय महाविद्यालय धामी की एनएसएस इकाई का सोमवार को सात दिवसीय एनएसएस शिविर शुरू हो गया। इसमें कॉलेज के 60 स्वयंसेवी हिस्सा ले रहे हैं। शिविर का शुभारंभ कॉलेज के संगीत शिक्षक डॉ. प्रवीण जरेट ने किया। उन्होंने दीप जलाकर शिविर का शुभारंभ किया और इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दीं। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता अंजली ने की। उन्होंने कहा कि सेवा मनुष्य जीवन का मूल्य है। शिविर के पहले सत्र में राजकीय महाविद्यालय चौड़ा मैदान के सहायक आचार्य डॉ. पीएल वर्मा ने कहा कि स्वयं सेवियों के साथ सामाजिक और पर्यावरणीय विषयों पर सार्थक संवाद किया। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी दिनेश शर्मा ने पर्यावरण को लेकर लोगों को जागरूक किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गीता ने अतिथियों का धन्यवाद किया। अश्मिता पाल और विदुशा ने पहले और दूसरे सत्र का संचालन किया। ब्यूरो